बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतम पुरा दिल्ली -110034

कक्षा दसवीं 2020-21

प्यारे बच्चों ,

आप सभी साखियों को पढ़ चुके हो , निर्देशानुसार अधिन्यास कार्य कीजिए ।

https://www.youtube.com/watch?v=fDPYu0FBZqE

उपर्युक्त दिए हुए लिंक को दोबारा देखिए।

*** आप सभी साखियों के अर्थ पढ़ चुके हैं , नीचे बहुविकल्पी प्रश्न दिए गए हैं , आपको ध्यान से विकल्प को छाँटकर अपनी नोटबुक में लिखना हैं ।**

***कॉपी में साखी नहीं लिखनी , न ही अन्य विकल्प लिखने हैं ।**

*** आप केवल प्रश्न संख्या एवं सही विकल्प ही कॉपी में लिखेंगे ।**

पांचवी साखी

बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोई।
राम वियोगी ना जिवै, जिवै तो बौरा होइ।।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. आत्मा किस प्रकार की व्याकुलता का अनुभव कर रही है?

(क) जैसी किसी के विरह में होती है (ख) जैसी किसी साँप द्वारा काटे जाने पर हो(ग) जैसी पागल हो जाने पर होती है। (घ) उपरोक्त सभी

2. 'मंत्र न लागे कोई' का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है?

(क) साँप के काट लेने पर मंत्रों से उपचार नहीं किया जा सकता (ख) ऐसा कोई मंत्र नहीं है जो कि विरह की पीड़ा को कम कर सके (ग) ईश्वर-वियोगी की पीड़ा का कोई उपचार नहीं है (घ) इनमें से कोई नहीं

3. राम वियोगी की दशा कैसी होती है?

(क) बेचैन रहता है (ग) उन्मत्त हो जाता है
(ख) व्याकुलता का अनुभव करता है (घ) उपरोक्त सभी

4 'बौरा' शब्द का तात्पर्य है--
(क) अहंकारी(ख) शांत(ग) उन्मत्त (घ) मूर्ख

BBPS- PITAMPURA

छठी साखी

निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ ।
बिन साबण पाणी बिना, निरमल करै सुभाइ।।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. कबीर ने कैसे व्यक्ति को समीप रखने की बात कही है?

(क) आलोचक को (ख) प्रशासन को (ग) प्रेमी को (घ) संबंधी को

2. निंदक को कवि ने कहाँ रखने का परामर्श दिया है?

(क) घर में (ख) दिल में (ग) आँगन में (घ) अपने से दूर

3. निंदक की तुलना किससे की गई है?

(क) साबुन के झाग से (ख) मिट्टी से (ग) पानी से (घ) साबुन और पानी से

4 . निंदा करने वाले व्यक्ति का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?

(क) स्वभाव कठोर हो जाएगा (ख) स्वभाव निर्मल हो जाएगा (ग) व्यक्ति निंदा करने वालों के निकट नहीं जाएगा (घ) व्यक्ति उसकी बातों में आ जाएगा

सातवीं साखी

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. कबीर पंडित किसे मानते हैं?

(क) पढ़े-लिखे व्यक्ति को (ख) प्रेम का एक अक्षर पढ़ने वाले को (ग) कम पढ़े-लिखे व्यक्ति को (घ) साक्षर व्यक्ति को

2. 'पोवी पढ़ि पढ़ि जग मुवा' का आशय है -

(क) बड़े-बड़े शास्त्रों को पढ़-पढ़ कर संसार ईश्वर तक पहुँचता है (ख) बड़े-बड़े शास्त्र पढ़-पढ़कर संसार भ्रमित हो रहा है (ग) बड़े-बड़े

BBPS, PITAMPURA

शास्त्रों को पढ़-पढ़कर अनेक लोग इस संसार से विदा हो गए (घ) बड़े-बड़े शास्त्र पढ़-पढ़कर संसार ज्ञान प्राप्त कर रहा है

3. 'एक अषिर' का अर्थ है-

(क) थोड़ा-सा भी ज्ञान (ख) थोड़ी-सी भी अच्छी बातें (ग) गुरु की एक भी सीख (घ) ईश्वर-प्रेम का एक अक्षर

4. 'पंड़ित भया न कोई' से कबीर का क्या तात्पर्य है?

(क) कोई पंडित नहीं बन पाया (ख) कोई संन्यासी नहीं बन पाया(ग) कोई समाचार नहीं बन पाया ज(घ) किसी को सच्चा ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ

आठवीं साखी

हम घर जाल्या आपणाँ, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि।।

बहुविकल्पी प्रश्न

1. यहाँ घर किसका प्रतीक है

(क) निवास स्थान का (ख) विपत्तियों का (ग) विषय-वासनाओं का (घ) संसार

2. मुराड़ा शब्द का क्या अर्थ है?

(क) जलता हुआ घर (ख) जलता हुआ अहंकार (ग) जलती हुई लकड़ी(घ) जलता हुआ संसार

3. कवि का घर जलाने से क्या आशय है?

(क) धन-दौलत को जलाना (ख) हमेशा त्याग के लिए तत्पर रहना (ग) परमात्मा के मार्ग को प्रकाशित करना (घ) लोभ, माया, मोह, घृणा को जलाना

4. कबीर किस पथ के पथिक हैं?

(क) आनंद-पथ के(ख) विषय-वासनाओं (ग) प्रभु-प्राप्ति के (ग) सुख-समृद्धि

BBPS, PITAMPURA

प्यारे बच्चों ,

अपठित गद्यांश को करते समय निम्न सुझावों को ध्यान में रखें:

निर्देश -

***अपठित गद्यांश के मूल भाव को समझने के लिए उसे कम से कम दो-तीन बार ध्यानपूर्वक मन में पढ़ें।**

***गद्यांश की पुनरावृत्ति अर्थात् पुनः पढ़ते समय गद्यांश-काव्यांश के मुख्य बिंदुओं को चिह्नित करें।**

*** शीर्षक का चयन करते समय संक्षिप्तता और सरलता का विशेष ध्यान रखें।**

अपठित गद्यांश

जहाँ पर भी दो नदियाँ आकर मिल जाती हैं, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है और यह केवल रिवाज़ की बात नहीं है; हम सचमुच मानते हैं कि अलग- अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु, भारत आज जिस दौर से गुजर रहा है उसमें असली संगम वे स्थान, वे

सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। उनके भीतर भी नाना जनपदों में बसने वाली जनता के आँसू और उमंगें, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। अतः जहाँ भाषाओं का मिलन होता है वहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है।

हमारी भाषाएँ जितनी तेजी से जागृत होंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा। भारतीय लेखकों की बहुत दिनों से यह आकांक्षा रही थी कि वे केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ, बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुंचेऔर उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण के आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच अपने-आप प्रकट होने लगा है। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है, उनमें कौन-कौन ऐसे लेखक हैं जिनकी कृतियाँ उल्लेखनीय है तथा कौन-सी विचारधारा वहाँ प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही है।

BBPS, PITAMPURA

(क) लेखक ने आधुनिक संगम स्थल किसको माना है और क्यों?

(ख) भाषा-संगमों में भारत की किन विशेषताओं का संगम होता है?

(ग) लेखक ने सबसे बड़ा सिपाही और संत किसको कहा है?

घ) स्वराज्य प्राप्ति के उपरांत विभिन्न भाषाओं के लेखकों में क्या जिज्ञासा उत्पन्न हुई?

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

-------------------x--------------------x--------------------

BBPS, PITAMPURA